प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनाँक 20.3.2013 को निर्माण खण्ड, लो०नि०वि० पोखरी (एजेन्सी का नाम) के द्वारा श्रीगढ से हनोली तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री ए०पी० भट्ट राजस्व विभाग की ओर से श्री खेम सिंह पुण्डीर, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री राजपाल सिंह, अमीन अन्य दावेदारों की ओर से श्री धर्मेन्द्र सिंह तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में श्री ग्राम प्रधान के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया ।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 1100(मी0) नाप भूमि से शून्य (मी0) सिविल भूमि से, शून्य (मी0) वन पंचायत से 3000 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 2.87है0 नाप भूमि 0.77है0, शून्य है0 सिविल भूमि, शून्य है0 वन पंचायत भूमि, 2.1है0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 2.87 है0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 60 वृक्ष चीड, उतीस प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 229 (मी0) नाप भूमि से, 957 (मी0) सिविल भूमि से, शून्य (मी0) वन पंचायत से 3414 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 3.22 है0 नाप भूमि0.16 है0, 0.67है0 सिविल भूमि शून्य है0वन पंचायत भूमि 2.39 है0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 3.22 है0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 78 वृक्ष चीड, उतीस प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन 1कक्ष से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन शून्य है एवं इन कक्षों में उतीस, चीड़ प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि 0.77 हे० पर चीड उतीस प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर चीड़ उतीस प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन शून्य है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान 79 12 15.38 E, 30 25 46.28 N है तथा यह स्थल हनोली से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल डांडा गैर है जिसका GPS मान 79 11 58.45 E, 30 26 0.05 N है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान (79 11 59.86 E, 30 25 53.87 N) (79 12 2.05 E 30 25 49.29 N) (79 12 4.94 E 30 25 56.45 N) (79 11 58.87 E 30 26 4.83 N) हैं।

चयनित समरेखन में कुल 60 पौधों को अन्य स्थानान्तरित (translocate/ निस्तारण)किया जाना आवश्यक होगा ।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा नही है ।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नही होगा ।

अन्य आवश्यक विवरण ....

हस्ताक्षर (प्रयोक्ता एजेन्सी) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (वन विभाग) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (राजस्व विभाग) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (अन्य दावेदार) प्रतिनिधि	हस्ताक्षर (जन प्रतिनिधि) प्रतिनिधि	उप प्रभागीय वनाधिकारी गोपेश्वर उप वन प्रभाग गोपेश्वर
JE		तहसीलदार तहसील पोखरी जिला चमोली			वन संरक्षक केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग गोपेश्वर (चमोली)

नोट– इस रिपोट् पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।

स०. उप.जि. चमोली

जिलाधिकारी चमोली

वनक्षेत्राधिकारी नागनाथ रैंज